

ख़बर संक्षेप

हर घर तिरंगा अभियान में आज सायकल, बाइक रैली तथा मानव श्रृंखला का होगा आयोजन

उमरिया। भारत सरकार के निर्देशानुसार 9 अगस्त से 17 अगस्त तक जिले में हर घर तिरंगा अभियान-2026 का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन में राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता एवं स्वतंत्रता दिवस के प्रति उत्साह एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में 11 अगस्त को हर घर तिरंगा अभियान के तहत सायकिल रैली, बाइक रैली तथा मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को राष्ट्र भक्ति का संदेश दिया जाएगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने हर घर तिरंगा अभियान के व्यवस्थित आयोजन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस अभियान में सभी विभागीय अधिकारियों की सहभागिता हो तथा आयोजित होने वाली गतिविधियों में राष्ट्र भक्ति व राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया जाए। उन्होंने कहा कि 17 अगस्त तक अभियान में जिन विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं हैं वह व्यवस्थित ढंग से संचालन सुनिश्चित कराएं।

13 अगस्त को डीएलआरसी एवं डी एल सीसी की बैठक

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला स्तरीय डीएलआरसी एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 13 अगस्त को अपराह्न 4 बजे से आयोजित की गई है। अगगी जिला प्रबंधक गौतम सिंह ने संबधित विभागीय अधिकारियों एवं बैंकर्स से बैठक में उपस्थिति का अनुरोध किया है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान में 14 अगस्त को इंदवार में शिविर का आयोजन

उमरिया। जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान प्रत्येक सप्ताह के पंचम दिवस अर्थात शुक्रवार को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश दिए हैं कि अधिकारी शिविर में शामिल होने से पूर्व ग्रामों एवं शहरी वार्डों में पहुंचकर अपने अधीनस्थ कार्यालयों, छात्रावास, विद्यालय , अस्पताल, उचित मूल्य दुकान एवं अन्य संस्थाओं का निरीक्षण करेंगे तथा तदुपरांत दोपहर 3 बजे से सायं 5 बजे तक आयोजित जन संवाद स्थल में उपस्थित होकर अपने अपने विभाग के किए गए निरीक्षण की विस्तृत जानकारी से अवगत कराएंगे तथा शासन की हितवाही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों एवं किए जाने वाले क्षमण के संबंध में जनप्रतिनिधियों को भी अवगत कराया जा रहा है ताकि जनकी भी उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लैबित प्रकरणों का शत प्रतिशत निराकरण करके शिविर में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें ताकि आम जनता से प्राप्त होने वाले आवेदनों का मौके पर निराकरण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत 14 अगस्त को मानपुर विकासखण्ड मुख्यालय के इंदवार में शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर आयोजन से पूर्व अधिकारियों व्द्वारा ग्राम पंचायत बंदावार, पडसूरी, धनवाही, भरेवा, दमोय, भोलागढ़, मुंदावानी, वंदावन, डोगाटोला, पौडिया, झाल, चितरंज, कुदरी , झलवार, के जग्य ही नगर परिषद मानपुर के वार्ड क्रमांक 9 इंदिरा कालोनी का क्षमण किया जाएगा।

श्रावण के दूसरे सोमवार पर शिवमय हुआ अमरकंटक, उमड़ा आस्था का सैलाब

मां नर्मदा मंदिर और ज्वालेश्वर महादेव धाम में हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलामिषेक व रुद्रामिषेक हर-हर महादेव और जय मां नर्मदे के जयकारों से गूंजा तीर्थराज

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। श्रावण मास के दूसरे सोमवार पर पवित्र तीर्थनगरी अमरकंटक पूरी तरह शिवभक्ति में डूबी रही। मां नर्मदा उद्गम मंदिर से लेकर प्राचीन ज्वालेश्वर महादेव धाम तक सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। हजारों भक्तों ने मां नर्मदा के उद्गम कुंड में आस्था की डुबकी लगाई और नर्मदा जल लेकर भगवान शिव का जलामिषेक, दुग्धामिषेक एवं रुद्रामिषेक किया। पूरे क्षेत्र में हर-हर महादेव और जय मां नर्मदे के जयघोष गूंजते रहे। भोर होते ही नर्मदा कुंड पर श्रद्धालुओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। दूर-दराज से पहुंचे भक्तों ने स्नान-पूजन के बाद करणार और कांवड़ में नर्मदा जल भरा और भगवान ज्वालेश्वर महादेव के दर्शन के लिए रवाना हुए। ज्वालेश्वर धाम पहुंचकर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और क्षेत्र सहित देश में शांति की कामना की।

नर्मदा जल से किया मगवान शिव का अभिषेक

श्रावण सोमवार के अवसर पर ज्वालेश्वर महादेव मंदिर में दिनभर पूजा-अर्चना का सिलसिला चलता रहा। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर नर्मदा जल, दूध, पंचामृत, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए। कई श्रद्धालुओं ने विशेष रुद्राभिषेक कराया। मंदिर परिसर में मंत्रोच्चार, भजन-कीर्तन और भगवान शिव के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। अमरकंटक नर्मदा नदी का उद्गम स्थल होने के कारण यहां नर्मदा जल का विशेष



धार्मिक महत्व माना जाता है। श्रद्धालु नर्मदा जल को पवित्र मानकर उसे भगवान शिव को अर्पित करते हैं। मान्यता है कि नर्मदा जल से ज्वालेश्वर महादेव का अभिषेक करने से मन को शांति और आध्यात्मिक संतोष की अनुभूति होती है।

ज्वालेश्वर महादेव धाम की विशेष मान्यता

अमरकंटक क्षेत्र का ज्वालेश्वर महादेव धाम प्राचीन धार्मिक स्थलों में शामिल है। स्थानीय धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह भगवान शिव की आराधना का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु वर्षभर दर्शन-पूजन के लिए पहुंचते हैं, लेकिन श्रावण मास और विशेषकर सोमवार के दिन भक्तों की संख्या काफी बढ़ जाती है। धार्मिक मान्यता के अनुसार ज्वालेश्वर महादेव का संबंध भगवान शिव के तेज और अग्नितत्व से माना जाता है। इसी वजह से इस स्थान को साधना और तप के लिए भी विशेष माना जाता



है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यहां श्रद्धा के साथ भगवान शिव का जलामिषेक करने से मन की अशांति दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव होता है।

नर्मदा और शिव आराधना का अनूठा संगम

अमरकंटक की धार्मिक पहचान मां नर्मदा के उद्गम स्थल के रूप में है। यहां नर्मदा उद्गम मंदिर, ज्वालेश्वर महादेव सहित अनेक प्राचीन धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं की आस्था के केंद्र हैं। नर्मदा जल से भगवान शिव का अभिषेक यहां की प्रमुख धार्मिक परंपराओं में शामिल है। नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों के उद्गम से जुड़े अमरकंटक के पर्वतीय क्षेत्र में प्रकृति और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिलता है। सावन की हरियाली और रिमझिम बारिश के बीच मंदिरों में उमड़ी भीड़ ने पूरे क्षेत्र के वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया।

स्थल में विभागीय अधिकारी काउंटर लगाकर आवेदन प्राप्त करें और मौके पर ही शिकायतों के निराकरण की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त तक नल जल योजनाओं के संचालन की कार्यवाही ग्राम पंचायतों के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर ने सभी विद्यालयों, छात्रावासों एवं ऑननबाइंडियो में नल जल कनेक्शन कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह ने निर्देश दिए कि 19 अगस्त तक सीएम हेल्पलाइन की पुरानी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्यमंत्री कार्यालय एवं कमिश्नर कार्यालय शहडोल से प्राप्त शिकायतों की भी समीक्षा की गई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मोनाक्षी इंग्ले, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



जिला जल स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में जिला जल स्वच्छता समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता गतिविधियां नियमित तौर पर संचालित की जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों से कचरों का घर घर से संग्रहण करने के लिए कचरा संग्रहण वाहन का उपयोग करने तथा संग्रहित कचरे को नियत स्थान पर निष्पादन की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित बैठक में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत व्यक्तिगत शौचालयों के लक्ष्य के विरूद्ध शेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने तथा प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के घरों में शौचालय निर्माण अनिवार्यतः करने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वच्छता परिसर में पानी की अनिवार्यतः व्यवस्था सुनिश्चित कराते हुए साफ सफाई के साथ ही इसके सुचारू संचालन हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी स्कूलों, ऑननबाइंडियो तथा छात्रावासों में स्थापित पानी की टंकियों की नियमित साफ सफाई कराएं तथा गोवर्धन योजना के तहत गौशालाओं में बायो गैस संयंत्र स्थापित कराएं। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता, एसडीएम बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह, एसडीएम पाली मोनाक्षी इंग्ले, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल स्वच्छता समन्वयक मनीषा कांडा सहित

कोतमा में मूल निवासियों ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस संस्कृति और अधिकारों की उठी आवाज

पेसा कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा विधानसभा क्षेत्र के मूल निवासी आदिवासी समाज द्वारा रविवार को नगर के अटल चौपाटी में विश्व आदिवासी दिवस उत्साह और गौरव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न आदिवासी समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। इस दौरान आदिवासी संस्कृति, परंपरा, शिक्षा, अधिकारों और ग्राम स्तर पर पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद एवं गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य देवशरण सिंह ने अपने संबोधन में विश्व आदिवासी दिवस के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनेवा में आदिवासी आबादी से जुड़े मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की बैठक आयोजित की गई थी। वर्ष 1994 में इस संबंध में सहमति बनी और वर्ष 1995 से पूरे विश्व में आदिवासी दिवस मनाने की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि इसके बाद से आदिवासी मूल निवासी



समाज द्वारा प्रतिवर्ष एकजुट होकर अपनी संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से यह दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रकृति शक्ति बड़े देव की गोगो (पूजा) से हुई। धर्माचार्य तिरु. जोगन सिंह मरकाम द्वारा विधि-विधान से पूजा संपन्न कराई गई। इस दौरान आदिवासी समाज की पारंपरिक मान्यताओं और प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में अखिल गोंडवाना महासभा के जिला अध्यक्ष तिरु. बीरान सिंह सरपंच, तिरु. नरेंद्र मरावी, दुर्गा सिंह कोरॉम, चंद्रिका मरकाम, सूरज अगरिया सहित कोतमा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए जनप्रतिनिधि, सरपंच, जनपद सदस्य और बड़ी संख्या में

आदिवासी समाज के लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद पंचायत कोतमा के प्रतिनिधियों के साथ पुलिस विभाग, नगर पालिका और बिजली विभाग के कर्मचारी भी शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण क्षेत्र की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत किए गए पारंपरिक आदिवासी लोकनृत्य रहे। बालिकाओं ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा धारण कर कर्मा, सुआ, शैला सहित विभिन्न लोकनृत्य और गीत प्रस्तुत किए। अलग-अलग समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बच्चों को आदिवासी समाज के इतिहास, संस्कृति, शिक्षा और क्षेत्र के विकास से जुड़े विषयों की जानकारी भी दी गई। वक्ताओं ने

समाज के बच्चों को बेहतर शिक्षा प्राप्त कर आगे बढ़ने तथा अपनी संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज के अधिकारों और ग्राम स्तर पर पेसा कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर भी चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि पेसा कानून के प्रावधानों को क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में प्रभावी रूप से लागू किया जाना चाहिए, ताकि ग्राम सभाओं को उनके अधिकार मिल सकें और स्थानीय स्तर पर आदिवासी समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के अंत में आदिवासी समाज की क्षेत्रीय समस्याओं और विभिन्न मांगों को लेकर भारत के राष्ट्रपति, राष्ट्रपाल, प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। समाज के प्रतिनिधियों ने क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण, आदिवासी अधिकारों की रक्षा, शिक्षा एवं विकास से जुड़े मुद्दों पर शासन स्तर से आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी एकजुटता प्रदर्शित करते हुए संस्कृति, परंपरा और अधिकारों की रक्षा के लिए सामूहिक प्रयास जारी रखने का संकल्प लिया।

साधु-संतों की भी रही मौजूदगी

श्रावण मास में अमरकंटक के विभिन्न आश्रमों और मंदिरों में साधु-संतों की मौजूदगी भी देखने को मिली। अनेक श्रद्धालुओं ने संत-महात्माओं से आशीर्वाद लिया। मंदिरों और आश्रमों में शिव स्तुति, भजन-कीर्तन और मंत्र जाप का क्रम चलता रहा। नर्मदा तट पर भी श्रद्धालुओं ने दीपदान कर सुख-शांति और मानव कल्याण की प्रार्थना की।

प्रशासन ने संमाली व्यवस्था

श्रावण सोमवार पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन और पुलिस द्वारा सुरक्षा एवं यातायात की विशेष व्यवस्था की गई। नर्मदा उद्गम मंदिर, रामघाट, ज्वालेश्वर मार्ग तथा अन्य प्रमुख स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा। श्रद्धालुओं की आवाजाही और कतारों को व्यवस्थित रखने के लिए लगातार निगरानी की गई। भीड़ के बीच यातायात व्यवस्था बनाए रखने तथा श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए संबंधित कर्मचारियों ने व्यवस्थाएं संभालीं। दिनभर धार्मिक आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से चलते रहे।

सावन की फुहारों के बीच गूंजता रहा हर-हर महादेव

अमरकंटक में सावन की रिमझिम फुहारों, चारों ओर फैली हरियाली और मंदिरों से आती घंटियों की आवाज के बीच दिनभर शिवभक्ति का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं ने नर्मदा तट पर दीपदान किया और भगवान शिव की आराधना की। श्रद्धालुओं का कहना था कि अमरकंटक में मां नर्मदा के दर्शन के साथ ज्वालेश्वर महादेव का जलामिषेक करना विशेष आध्यात्मिक अनुभूति देता है। श्रावण के दूसरे सोमवार पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने एक बार फिर अमरकंटक की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान को जीवंत कर दिया।



प्राप्त आवेदनों के निराकरण के लिए अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त 2026 से प्रारंभ होकर 8 जनवरी 2027 तक चलेगा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान प्रत्येक सप्ताह के पंचम दिवस अर्थात शुक्रवार को संचालित किया जाना है। अभियान में संबंधित क्षेत्र की सी.एम. हेल्पलाईन, जन-सुनवाई में लंबित शिकायतों एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरण एवं अन्य विभागीय लंबित आवेदनों का निराकरण कराया जाना है। अभियान के संचार एवं समग्रबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में स्थापित निर्देश प्राप्त हुए हैं। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश के परिपालन में जिला स्तर से कलक्टर निर्धारित किया जाकर दिनांक वार रोस्टर तैयार किया गया है। अभियान में निर्धारित रोस्टर अनुसार चिह्नित क्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण किया जाकर संबंधित क्षेत्र की विभागीय संरचनाएं देखनी हैं- तथा सी.एम. हेल्पलाईन, जन-सुनवाई में लंबित शिकायतों एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत लंबित प्रकरण एवं अन्य विभागीय लंबित आवेदनों का निराकरण एवं मॉनीटरिंग करने हेतु विभागों को दायित्व सौंपा गया है। जिनमें सीईओ जिला पंचायत अमर सिंह को पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग , लोक स्वास्थ्य यात्रिकीय विभाग, कृषि विभाग, उधुपालन विभाग, अपर कलेक्टर नमोद कुमार रैन गुप्ता को नगरिय एवं विकास विभाग, राजस्व, सामाजिक न्याय विभाग, समाज आर्डई , उर्जा विभाग, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग , महिला एवं बाल विकास विभाग, डिप्टी कलेक्टर प्रदुष्य श्रीवास्तव को लोक शिक्षण, राश्ट्र शिक्षा केंद्र , खाद्य विभाग, डिप्टी कलेक्टर प्रिया अगवाल को श्रम विभाग, जन जातीय कार्य विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग तथा जिला कोषाध्य अधिकारी अखिलेश पाठक को सहकारिता विभाग एवं फसल बीमा सहकारिता , लीड बैंक एवं संस्थागत वित्त का दायित्व सौंपा है। अधिकारी कार्यवाही पूर्ण कर कलेक्टर को अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे ।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब



कोतमा। सावन मास के दूसरे सोमवार को कोतमा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। सुबह से ही नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी थी। भक्तों ने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर जलामिषेक और रुद्रामिषेक किया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बम-बम भोलें के जयकारों से गूँजते रहे। सावन सोमवार को लेकर श्रद्धालुओं ने एक दिन पूर्व से ही पूजन सामग्री की तैयारी कर ली थी। सोमवार सुबह शिवालय पहुंचे और भगवान शिव को अर्पित कर पूजा-अर्चना की। कई श्रद्धालुओं ने मंदिरों में विशेष रुद्रामिषेक भी कराया।

प्रशासनिक फंड का खुला दुरुपयोग: नरवार की सरपंच ने सरकारी पैसे से अपने घर के लिए बनवाई निजी सीसी रोड

उमरिया। जिले के जनपद पंचायत करकेली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नरवार (29) में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन के खुले दुरुपयोग का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत की वर्तमान सरपंच शोभा बैगा ने अपने पद का प्रभाव दिखाते हुए पंचायती राज के नियमों को ताक पर रख दिया है। सरपंच ने सार्वजनिक जट के कार्यों को दरकिनार कर, शासकीय बजट (फंड) का इस्तेमाल अपने निजी घर तक सीसी रोड (कंक्रीट सड़क) बनवाने के लिए कर डाला।*सार्वजनिक रास्ते बदहाल, सरपंच के घर तक चमचमती सड़क*ग्रामीणों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गांव की मुख्य गलियां और आम रास्ते आज भी कीचड़ और बदहाली से जूझ रहे हैं। बारिश के दिनों में आम जनता का निकलना दूषित हो जाता है। लेकिन



जनता की समस्याओं को सुलझाने के बजाय, सरपंच शोभा बैगा ने शासकीय राशि को अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए झोंक दिया। पंचायत के पैसों से केवल उनके निजी निवास को जोड़ने वाली चमचमती सीसी रोड का निर्माण करा दिया गया है, जो सीधे तौर पर वित्तीय अनियमितता और भ्रष्टाचार का उदाहरण



है।*ग्रामीणों में भारी आक्रोश, उच्च स्तरीय जांच की मांग*इस मनमानी से नरवार पंचायत के निवासियों में भारी असंतोष और आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि यह जनता के टैक्स के पैसे और शासकीय योजनाओं का खुला मखौल है। इस संबंध में ग्रामीणों ने लामबंद होकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने

हर घर तिरंगा अभियान के तहत कोतमा में निकली भव्य तिरंगा रैली जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

कोतमा। कलेक्टर रत्नाकर झा के निदेशानुसार जिले में 9 से 17 अगस्त तक चलए जा रहे 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत जिलेभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद कोतमा द्वारा भव्य तिरंगा रैली निकली गई। रैली में जनप्रतिनिधियों, अधिकारी-कर्मचारियों, विद्यार्थियों, युवाओं, सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। तिरंगा रैली का शुभारंभ नगर पालिका परिषद कोतमा परिसर से हुआ। रैली मुखर्जी चौक, बस स्टैंड सहित नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए गांधी चौक पहुंची। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेहर शमिल हुए लोगों ने पूरे उत्साह के साथ 'भारत माता की जय' और राष्ट्रभक्ति के जयकारे लगाए। तिरंगे के साथ निकली रैली से कोतमा नगर का वातावरण देशभक्ति से सशोभ नज्दी आया। रैली में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और युवा शामिल रहे। लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान प्रकट करते



हुए नागरिकों को देशप्रेम और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया। रैली के दौरान नागरिकों से हर घर में तिरंगा फहराकर अभियान को सफल बनाने की

अपील भी की गई। तिरंगा रैली में नगर पालिका परिषद कोतमा के अध्यक्ष अजय सरफ, उपाध्यक्ष वैशाली तामकार, मुख्य नगर पालिका अधिकारी नीलम सिंह चौहान, नगर पालिका के पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय एवं महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएं, विद्यार्थी, खेल एवं युवा संगठनों के सदस्य तथा सामाजिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हुए। रैली के माध्यम से नागरिकों को हर घर तिरंगा अभियान में अधिक से अधिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। लोगों से अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा अभियान से संबंधित फोटो 'हर घर तिरंगा पोर्टल' पर अपलोड करने की अपील की गई। आयोजकों में कहा कि जनमाध्यामदारी से ही अभियान को व्यापक स्वरूप दिया जा सकता है। राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रप्रेम की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में अभियान के तहत अथक बलों दिनों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पाली में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस, विधायक मीना सिंह ने कहा आदिवासी संस्कृति हमारी पहचान, तिवनी से निकली विशाल रैली, बाबा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर किया पुष्प माल्यापर्ण



उमरिया। उमरिया जिले के पाली ब्लॉक में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बिरसिंहपुर पाली विद्यालय मैदान में आयोजित विश्व आदिवासी दिवस अपनी मूल परंपराओं, के अनुरूप कार्यक्रम का आयोजन समिति द्वारा किया गया। आदिवासी समाज का यह कार्यक्रम अपनी संस्कृति और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्यातिथि मानपुर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह जी विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय प्राचार्य हरलाल अहिरवार, पूर्व प्राचार्य डॉ॰ गंगाधर ढोके,लोकनाथ सिंह मरावी,जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला हेमनाथ बैगा ने की जब की सफल मंच संचालन विनय सिंह परस्ते राजेश कोल कार्यक्रम व्यवस्थापक बिन्दे की भूमिका सराहनीय रही। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज के अमर शहीदों के छायाचित्रों में दीप प्रज्वलित करते हुए की गयी। मालूम होवे की विश्व आदिवासी दिवस पर पाली क्षेत्र के तिवनी ग्राम से शुरू हुई आदिवासी रैली पाली नगर का भ्रमण करते हुए विद्यालय में आम सभा में तब्दील हो गयी। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि गण,ग्रामीण जन, युवा, वृद्ध और महिलाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मानपुर क्षेत्र की विधायक सुश्री मीना सिंह ने आसंदी से संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज का आजादी की लड़ाई में अक्षुण्य योगदान रहा हैहम अंग्रेजों की हुकूमत के आगे नहीं झुके, शहीद हो गए। उन्होंने छात्र छात्राओं के सफलता के मंत्र बातलाई हुए कहा कि आदिवासी समाज में कला, शिक्षा और साहस का अद्भुत संगम भरा हुआ है,उसे आप सतत प्रयास से निखारें। अपने आगे कहा कि मे खुद दूरस्थ गाँव में जन्म



महिलाओं ने उत्साह के साथ मनाया सावन महोत्सव हरे परिधान में सजी महिलाओं ने लिया झूले का आनंद

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

महिलाओं द्वारा सावन महोत्सव उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। नगर की समाजसेवी रमा गुप्ता द्वारा किए गए आयोजन में कोतमा के सभी वार्डों सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। महिलाओं ने हरी साड़ी, चूड़ी एवं आकर्षक श्रृंगार कर सावन की रात बिखेरी।कार्यक्रम का संचालन एवं विशेष प्रस्तुति वंदना बरसेया के द्वारा किया जाता रहा। आयोजन की शुरुआत धार्मिक भजनों एवं सावन गीतों से शुरू हुई। इसके बाद महिलाओं ने डांस, विभिन्न प्रकार खेलों और हास्य कविता पाठ सहित कई मनोरंजक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। परिसर में लगाए गए झूले का भी महिलाओं ने जमकर आनंद उठाया। इस दौरान गीता सराफ, छाया सोनी, रेखा सराफ, सीमा ब्यूहार, हर्षा मोटवानी, प्रियंका ताम्रकार, राजकली सोनी, रूपा गुप्ता, दीप्ति जायसवाल, अर्चना गहोई, प्रीति ताम्रकार , किरण सोनी सहित अन्य महिलाएं शामिल रही। सावन महोत्सव के दौरान महिलाओं ने एक-दूसरे के साथ खुशियां साझा करते हुए जमकर मस्ती की। आयोजन में शामिल महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं को एक साथ मिलकर अपनी संस्कृति और परंपराओं से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।



लेने वाली आदिवासी समाज की बेटी हूँ पहाड़ के नीचे मेरा गांव है। कठिन संघर्ष के बाद कक्षा आठवीं की पढ़ाई के बाद यहाँ से 200 किलोमीटर दूर *मंडला के ठाकर आश्रम* में रहकर की है। उस समय आदिवासी समाज शिक्षा से कोसों दूर था, तब भी हमारे माता पिता ने मुख्य धारा से जोड़ने के लिए शिक्षा को अपनाया, कितने कठिन दौर में भी अपनी जिम्मेदारी निभाई गई। पूर्व मंत्री विधायक सुश्री मीना सिंह ने कहा कि वर्तमान में शिक्षा की सुविधा उपलब्ध है। अब *गांव की प्रतिभा को निखारने की जरूरत है।* माता-पिता अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए प्रेरित करें। माँ का योगदान बच्चों के लिए सर्वाधिक रहता है। शिक्षा के लिए अपना सब कुछ लगा कर पढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम प्रकृति के पूजारी हैं। अपनी परंपरा और प्रकृति को बचाएं। हमें पूर्वजों की धरोहरों को संजोने के लिए आज संकल्प लेना चाहिए। इसी से हम जाने जाते हैं। हमें अपनी जाति को नहीं छुपाना है, वह हमारी पहचान है। आदिवासी आदि अनादि है। अपने मूल को शान से आगे बढ़ाने के संकल्पित है अंत में उन्होंने कहा मैं आपके समाज से हूँ। मेरे लायक जो काम हो वह मुझसे कह सकती हैं, उनका हर संभव निदान करूंगी। विशेष अतिथि *गंगाधर ढोके* ने कहा कि 1994 में संयुक्त राष्ट्र संघ ने आदिवासियों के सम्मान के लिए यह दिवस घोषित किया।आदिवासी समाज ही है जो प्रकृति की पूजा करते हुए उसको सुरक्षित रखा। उन्होंने चिंता जताई कि गोड़ी बोली विलुप्त हो रही है। जब भाषा विलुप्त होती है तो संस्कृति भी विलुप्त हो जाती है। उन्होंने कहा *आदिवासी समाज में एक भी दहेज हत्या नहीं होती है।* युवाओं से उन्होंने रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने और



अपने समुदाय को भी रोजगार उपलब्ध कराने* का आह्वान किया। कार्यक्रम के अन्य वक्ताओं में अपने अपने विचार रखते हुए *राजेश कोल* ने कहा कि जय जोहार का मतलब प्रकृति पूजा है। संयुक्त राष्ट्र ने 1984 में इसकी घोषणा की और 1995 से लागू किया। *प्रो. हर लाल अहिरवार* ने कहा कि हम प्रकृति के पूजारी हैं। प्रगति के साथ-साथ प्रकृति को आगे बढ़ाना है। *अधिवक्ता रेखा कोल* ने कहा कि आधुनिकता के दौर में संस्कृति को नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने समान नागरिक संहिता में आदिवासियों के लिए अलग कॉलम की मांग की। *सरपंच पुरुषोत्तम सिंह* ने कहा कि युवा शराब के नशे में पीड़ित हैं। उन्होंने रन्शा छोड़ो, शिक्षा पकड़ो का नारा दिया। *पूर्व सरपंच लोकनाथ सिंह* ने कहा कि जीवन की संस्कृति को नहीं भूलना है। सबको एक होकर समाज का काम करना चाहिए। *अंजली सिंह* ने कहा कि एकता से ही हम आगे बढ़ेंगे। शराब से दूर रहें, इससे भविष्य बरबाद हो रहा है। युवाओं से कहा कि आप अपना भविष्य खुद गढ़ो।दलबीर सिंह ने कहा कि जल, जंगल, जमीन पर हमारा अधिकार है। शिक्षा ही युवाओं को जोड़ेगी। समाज के मुखियाओं से छात्रावास जाकर बच्चों की देख-रेख करने की अपील की।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे *जिला पंचायत सदस्य हेमनाथ बैगा* ने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी वक्ताओं के विचारों की सराहना की और उपस्थित समुदाय का आभार व्यक्त किया। आपने कहा कि आदिवासी दिवस पर यह आदिवासियों का पर्व हैं, आदिवासी अपनी सभ्यता का पालन करते हुए अपनी मूल परंपराओं को आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में आयोजन समिति ने

सभी अतिथियों और उपस्थित जन समुदाय का धन्यवाद ज्ञापित किया।इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य रूप से सर्व आदिवासी समाज हेमनाथ बैगा जिला पंचायत सदस्य,बिन्दे सिंह, राजेश कोल,विनय सिंह परस्ते अजाक्स ब्लॉक अध्यक्ष लोकनाथ सिंह मरावी,जयस जिलाध्यक्ष उमरिया दलबीर सिंह परस्ते,राजेश कोल,छत्रपाल सिंह,सरपंच लक्ष्मी सिंह मरावी,पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष उषा कोल,जयस कार्यवाहक जिलाध्यक्ष उमेश सिंह मरकाम, धनराज सिंह,मनोज चौधरी, संतोष मानिकपुरी, राजेन्द्र सिंह, लालमणि मालवे, राजकुमार सिंह,हरिभजन सिंह,कूपरचंद बैगा,रवि मार्गे, उदय सिंह,सानू सिंह मुकेश खुरसेगा,किसन सिंह मरावी,सुखदेव सिंह, पुरुसोत्तम सिंह बड़कर,अजाक्स महासचिव इस्वर सिंह,गोविंद सिंह,बोधपाल सिंह,बालकदास टेकाम,कोमल मालवे,सुरेंद्र सिंह,वीरेंद्र सिंह,तोलाराम सिंह टेकाम,पुरुसोत्तम सिंह, रमेश सिंह परस्ते,बल्लू पेंड्राम,शिवकुमार मालवे,राजेश धुर्वे,राजेश सिंह,राकेश सिंह उडके,रोहित प्रधान,विवेकानंद सिंह, भूपत सिंह,बबलू सिंह,मनोज कोल,भागचंद कोल,रविन्द्र सिंह मार्को,रामपाल सिंह परस्ते,पवन कुमार, भइयालाल, कृष्णा बैगा,विद्या निधान,वृजभान सिंह मार्को,दसरू प्रधान,चंद्रलाल प्रधान, श्याम सिंग प्रधान,चंद्रभान सिंह बिझला,नीरज सिंह अवधेश कोल,मुकेश कोल,दीपक सिंह,मना सिंह आयुष कोल आकाश कोल संजीव कोल,रेखा कोल,रामदीन बैगा,सदन सिंह सुलभ मजुमदा अजय चौधरी निधेश सिंह दुखीराम कोल सहित हजारों आदिवासी सर्व समाज के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ब्लॉसिंग प्लावर स्कूल से मार्चिंग बैंड के साथ निकली विशाल तिरंगा यात्रा



उमरिया। ‘हर घर तिरंगा अभियान’ के अंतर्गत जिला कलेक्टर राखी सहाय एवं जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया के मार्गदर्शन में युवा टीम उमरिया वारा बिरसिंहपुर पाली स्थित ब्लॉसिंग प्लावर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल से मार्चिंग बैंड के साथ विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया।तिरंगा यात्रा में विद्यालय के करीब 250 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों के मार्चिंग बैंड के साथ निकली यात्रा में छात्र-छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के



सिंह एवं आरक्षक नरसिंह धुर्वे सहित पुलिस बल मौजूद रहा।इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य सुमित्रा रॉय ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह और अनुशासन के साथ तिरंगा यात्रा में सहभागिता की, जो सराहनीय है।युवा टीम उमरिया के हिमांशु तिवारी ने बताया कि ‘हर घर तिरंगा अभियान’ का उद्देश्य तिरंगे के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। युवा



टीम उमरिया द्वारा अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर तिरंगा यात्रा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।उन्होंने कहा कि ‘हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा’ के संकल्प के साथ युवाओं एवं विद्यार्थियों को सहभागिता राष्ट्रभक्ति की भावना को और मजबूत कर रही है।विद्यालय के शिक्षक अभिलाष विश्वकर्मा, मयंक दुवे, सनय सोनी, टी.एल. साहू ,सुमित सिंह,युवा टीम उमरिया से हिमांशु तिवारी, राहुल सिंह एवं रुद्र प्रधान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।तिरंगा यात्रा के दौरान ‘हर घर तिरंगा, हर मन तिरंगा’ एवं ‘भारत

NH-43 के मीडियन कट पर सियासत गरमाई, बंद कराने की मांग का पार्षद पति ने किया विरोध

अमलाई। बकहो नगर परिषद क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर हनुमान मंदिर के सामने स्थित मीडियन कट को बंद कराने की मांग को लेकर सियासत गरमा गई है।भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर ,रीवा को पत्र भेजकर **NH-43** के खसरा क्रमांक 165 और 166 के बीच बने मीडियन कट को बंद कर उसे सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का आग्रह किया है। जिलाध्यक्ष ने दुर्घटनाओं और यातायात व्यवस्था का हवाला दिया है। वहीं भाजपा अंत्योदय समिति के सदस्य एवं वार्ड क्रमांक 14 के पार्षद पति सरोज यादव ने इस मांग का विरोध करते हुए इसे वर्षों पुराने सार्वजनिक मार्ग को बंद करने का प्रयास बताया है।जिलाध्यक्ष का तर्क—दुर्घटना संभावित स्थान से कट दृ7 अगस्त 2026 को एनएचएआई को भेजे पत्र में भाजपा जिलाध्यक्ष ने बताया कि उक्त मीडियन कट से ऑरिएंट पेपर मिल, अमलाई और बकहो क्षेत्र की सड़क जुड़ती है। उनका कहना है कि चौराहे पर बने इस कट के कारण तेज रफ्तार वाहनों और छोटे वाहनों के बीच दुर्घटना को अंशका बनी रहती है तथा यातायात जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। उन्होंने कट को बंद कर कुछ दूरी पर सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का आग्रह किया है।हालांकि स्थानीय स्तर पर इस दावे को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि **NH-43** पर कई स्थानों पर मीडियन कट बने हुए हैं, लेकिन हनुमान मंदिर के सामने स्थित इसी कट को लेकर विशेष चिंता क्यों जताई जा रही है? उनका कहना है कि उनके अनुसार इस स्थान पर न तो नियमित जाम की स्थिति बनती है और न ही यहां बड़ी दुर्घटनाओं का कोई खिलसिला रहा है।50 साल पुराने रास्ते को बंद करने की कोशिश भाजपा नेता सरोज यादव ने कहा कि जिस मीडियन कट को बंद करने की कोशिश की जा रही है वह चारो दिशाओं से सड़क को जोड़ती है और उसके बंद होने से दो रास्ते बंद हो जाएंगे जिससे मंगवली बाजार, नगर परिषद कार्यालय, शासकीय उचित मूल्य की दुकान और ग्रामीण बैंक तक पहुंचना कठिन हो जाएगा जो करीब 50 वर्षों से स्थानीय लोगों के आवागमन का माध्यम रहा है। इसे बंद करने से क्षेत्र के लोगों को परेशानी होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह मामला केवल सड़क सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे पुराने विवाद भी जुड़े हुए हैं।यादव का दावा है कि वाटर पार्क के लिए बिछाई जा रही 33 केवी बिजली लाइन को निजी भूमि से



हटाकर नेशनल हाइवे के बीच से ले जाने का उन्होंने और अन्य लोगों ने विरोध किया था। उनका आरोप है कि इसी विवाद के चलते अब उक्त मीडियन कट को बंद कराने का प्रयास किया जा रहा है।जिलाध्यक्ष बनते ही भूमि विवाद के आरोप भी लग चुके हैंहालांकि भाजपा जिलाध्यक्ष को लेकर पूर्व में जबरन भूमि पर कब्जा करने के आरोप भी लग चुके हैं। जिस भूमि के लिए हाईड्रेशन लाइन को नेशनल हाइवे के बीच ले जाया जा रहा है और वर्षों पुरानी मार्ग को स्थानांतरित करने की मांग की गई है उक्त भूमि को जिलाध्यक्ष बनने के बाद जबरन कब्जा करने के आरोप भी पूर्व में लगाए जा चुके हैं, जिसको लेकर न्यायालय में प्रकरण चल रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की वास्तविकता और न्यायालयीन प्रकरणों की वर्तमान स्थिति संबंधित दस्तावेजों एवं न्यायालयीन रिकॉर्ड से ही स्पष्ट होगी।विरोध कर रहे लोगों का सवाल है कि जब क्षेत्र में **NH-43** पर कई मीडियन कट मौजूद हैं, तो केवल हनुमान मंदिर के सामने वाले कट को लेकर ही जिलाध्यक्ष द्वारा स्थानांतरित की मांग क्यों की जा रही है। उनका आरोप है कि सड़क सुरक्षा के तर्क की आड़ में किसी खास विवाद को प्रभावित करने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा।अब इस मामले में सड़क सुरक्षा, वर्षों पुराने सार्वजनिक रास्ते और राजनीतिक आरोप-प्रचारों आगने-सामने आ गए हैं। एनएचएआई इस मामले में क्या निर्णय लेता है, इस पर स्थानीय लोगों और दोनों पक्षों की निगाहें टिकी हुई हैं।



खबर संक्षेप

जालेश्वर महादेव में कांग्रेस सेवादल प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव ने चढ़ाया मां नर्मदा का पवित्र जल



अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में पवित्र श्रावण मास के द्वितीय सोमवार के शुभ पावन अवसर पर शिवभक्ति का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव एवं कांग्रेस सेवादल के मध्य प्रदेश प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा ने मां नर्मदा उद्गम स्थल पर विधिवत दर्शन-पूजन एवं अर्चन कर पुण्य सलिला मां नर्मदा का पवित्र जल लेकर जालेश्वर महादेव में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष अवनीश भार्गव एवं प्रभारी प्रताप नारायण मिश्रा ने भगवान जालेश्वर महादेव से मध्य प्रदेश सहित अमरकंटक एवं क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख-समृद्धि, शांति, खुशहाली एवं सर्वांगीण उन्नति की कामना की। श्रावण मास के इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा। जालेश्वर महादेव में जलाभिषेक से पूर्व दोनों कांग्रेस सेवादल पदाधिकारियों ने मां नर्मदा उद्गम कुंड पहुंचकर मां नर्मदा जी का दर्शन, पूजन एवं अर्चन किया। इसके उपरांत उन्होंने सिद्धेश्वर महादेव, घंटेश्वर महादेव एवं 11 रुद्र महादेव मंदिरों में पहुंचकर पवित्र नर्मदा जल से जलाभिषेक कर विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना की। श्रावण मास के द्वितीय सोमवार पर अमरकंटक के विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही थी। इसी आस्था की कड़ी में कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रभारी ने भी भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों का पूजन कर प्रदेश की सुख-शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। उल्लेखनीय है कि श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भी पवित्र नगरी अमरकंटक के जालेश्वर महादेव सहित विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं द्वारा विधिवत दर्शन-पूजन, अर्चन एवं जलाभिषेक किया गया था। श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को अमरकंटक की धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्ता और भी बढ़ जाती है तथा दूर-दूर से शिवभक्त यहां पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। अमरकंटक नगर प्रवास के दौरान जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष डॉ. एहसान अली अंसारी, राम सजीवन गौतम सहित कांग्रेस सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कटाघाट तट पर जल देवता की पूजा अर्चना

कटनी। झुलेलाल चालिहा महोत्सव समिति द्वारा गुरुरानक वार्ड स्थित झुलेलाल मंदिर में आयोजित किए जा रहे झुलेलाल चालिहा प्रतिदिन आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में सिंधी समाज के पुरुष, महिलाएं एवं बच्चे शामिल होकर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं। 9 अगस्त रविवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह 9 बजे से कटनी नदी के कटाघाट तट पर जल देवता की पूजा अर्चना की गई और भजन कीर्तन अखों पल्लव, आरती व दीपादान का आयोजन किया गया। सिंधी भजनों की शानदार एवं परमोहक प्रस्तुति पर श्रद्धालु झूम उठे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला व पुरुष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कटाघाट की वादियों वरुण देव के जयकारों से गुंज उठी। पूरा वातावरण धर्ममय हो गया। इस मौके पर नदी के पावन तट में भजनों की प्रस्तुति हुई। बड़ी संख्या में सिंधी समाज सहित अन्य समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

स्टेशन के मुख्य गेट पर मचा हड़कंप, पोल से लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पहुंचा; स्कूटी क्षतिग्रस्त

अनूपपुर। अनूपपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 के मुख्य द्वार पर रविवार देर रात करीब 10 बजे उस समय अफरातफरी मच गई, जब बड़े-बड़े पोल से लदा एक भारी ट्रेलर अनियंत्रित होकर स्टेशन परिसर के मुख्य द्वार तक पहुंच गया। ट्रेलर की चपेट में आने से वहां खड़ी एक स्कूटी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी यात्री या अन्य व्यक्ति को चोट नहीं आई और बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर में भारी पोल लदे हुए थे और वाहन स्टेशन के मुख्य द्वार की ओर पहुंच गया। अनवक वाहन के अनियंत्रित होने से वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। चालक के अनुसार वाहन का प्रेशर पंप खराब होने के कारण वह उसे नियंत्रित नहीं कर सका। इसी दौरान ट्रेलर ने वहां खड़ी स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद आवासीय मौजूद लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। देर रात रेलवे स्टेशन



पर यात्रियों की आवाजाही के बीच भारी वाहन के इस तरह मुख्य द्वार तक पहुंचने की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि यदि ट्रेलर समय रहते नहीं रुकता और मुख्य प्रवेश द्वार की ओर आगे बढ़ जाता तो यात्रियों की भीड़ इसकी चपेट में आ सकती थी और स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी। रेलवे स्टेशन का मुख्य द्वार यात्रियों के

अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी, अमरकंटक, राजेन्द्रग्राम, जैतहरी

हरिभूमि 10

सकोला में सचिव-सरपंच की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल

बैठकें नहीं हुईं, फिर भी पंचायत खाते से राशि निकासी?

बदरा/जमुना। ग्राम पंचायत सकोला में पंचायत की नियमित बैठकों और पंचायत निधि से होने वाली राशि निकासी को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पंचायत के कई निर्वाचित पंचों का कहना है कि उन्हें न तो नियमित बैठकों की सूचना दी जाती है और न ही पंचायत में प्राप्त राशि, खर्च तथा विकास कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। कुछ पंचों ने तो वर्ष 2022 में निर्वाचित होने के बाद से अब तक नियमित पंचायत बैठक आयोजित नहीं होने का दावा किया है।

पंचों को नहीं मिलती कामकाज और राशि की जानकारी

हमारे प्रतिनिधि ने ग्राम पंचायत सकोला के कई पंचों से व्यक्तिगत संपर्क कर यह जानने का प्रयास किया कि क्या पंचायत की नियमित बैठकें आयोजित होती हैं और क्या उन्हें पंचायत की आय-व्यय एवं विकास कार्यों की जानकारी दी जाती है। वार्ड क्रमांक 12 के पंच राजू भारिया ने बताया कि उन्हें पंचायत में कितनी राशि आई और कितनी राशि निकाली गई, इसकी जानकारी नहीं दी जाती। उन्होंने कहा कि वे पंचायत के निर्वाचित पंच हैं, लेकिन पंचायत की वित्तीय गतिविधियों से संबंधित जानकारी उन्हें उपलब्ध नहीं कराई जाती। उन्होंने नियमित मासिक बैठक की जानकारी होने से भी इनकार किया। पंच चकोरिया भारिया ने दावा किया कि उन्हें पंचायत की बैठकों के लिए नियमित रूप से नहीं बुलाया जाता। उनके अनुसार उन्हें केवल 15 अगस्त और 26 जनवरी जैसे अवसरों पर ही बुलाया जाता है। उन्होंने दावा किया कि करीब चार वर्षों



से ग्राम पंचायत की कोई नियमित बैठक नहीं हुई तथा सचिव की ओर से बैठक के संबंध में उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। इसी तरह वार्ड क्रमांक 8 के पंच रामेश्वर सिंह कंवर ने बताया कि उन्हें पंचायत की बैठकों और पंचायत के कामकाज के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी जाती। उन्होंने अपनी जानकारी के बिना हस्ताक्षर किए जाने की आशंका भी जताई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सचिव कभी 15 दिन में तो कभी महीने में पंचायत आते हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

किस प्रक्रिया से निकली पंचायत की राशि?

मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि एक ओर पंच नियमित पंचायत बैठक नहीं होने का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पंचायत के बैंक खाते से विभिन्न कार्यों एवं मदों में राशि निकाले जाने की जानकारी सामने आ रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि

ही ले रहे थे निर्णय?

यदि निर्वाचित पंचों के दावे सही पाए जाते हैं और उन्हें पंचायत की बैठकों एवं वित्तीय निर्णयों की जानकारी नहीं दी गई, तो यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि पंचायत के निर्णय आखिर किस प्रक्रिया से लिए जा रहे थे। पंचों का निर्वाचन इसलिए होता है ताकि ग्राम पंचायत के निर्णयों में वार्डों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। यदि पंचायत के निर्णय केवल सरपंच और सचिव स्तर पर ही लिए जाते हैं और पंचों को इसकी जानकारी नहीं दी जाती, तो पंचायत व्यवस्था की पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं। हालांकि पंचायत में वित्तीय अनियमितता या भ्रष्टाचार हुआ है, इसका अंतिम निष्कर्ष जांच और संबंधित अभिलेखों की जांच के बाद ही निकाला जा सकता है।

चार साल से नहीं हुई बैठक तो पंचायत के फैसले कैसे हुए?

ग्राम पंचायत सकोला के मामले में अब मुख्य सवाल यही है कि यदि पंचों के अनुसार वर्षों से नियमित बैठकें नहीं हुईं, तो पंचायत के विकास कार्यों की स्वीकृति किस प्रक्रिया के तहत हुई? यदि पंचायत खाते से राशि निकाली गई तो उसके लिए प्रस्ताव किस बैठक में पारित हुआ? यदि आय-व्यय की जानकारी पंचों को नहीं दी गई तो पंचायत के समक्ष वित्तीय विवरण कब रखा गया? और यदि किसी पंच की

जानकारी के बिना उसके हस्ताक्षर किए जाने की आशंका है, तो संबंधित दस्तावेजों की जांच कब होगी? इन सभी सवालों का जवाब पंचायत के बैठक एवं प्रस्ताव रजिस्टर, उपस्थिति पंजी, आय-व्यय विवरण, बिल-वाउचर तथा बैंक खाते के लेन-देन की जांच से सामने आ सकता है।

निष्पक्ष जांच की मांग

ग्राम पंचायत के पंचों और ग्रामीणों की मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वर्ष 2022 से अब तक पंचायत की संपूर्ण आय-व्यय एवं बैंक लेन-देन की जांच कराई जाए। साथ ही पंचायत के बैठक एवं प्रस्ताव रजिस्टर, उपस्थिति पंजी और बैंक खाते का मिलान कराया जाए। जांच में यह देखा जाना चाहिए कि पंचायत की राशि किस कार्य के लिए, किस प्रस्ताव के आधार पर, किसकी स्वीकृति से और किस प्रक्रिया के तहत निकाली गई। यदि जांच के दौरान नियमों के उल्लंघन, वित्तीय अनियमितता अथवा अभिलेखों में गड़बड़ी की पुष्टि होती है तो संबंधित जिम्मेदारों की जवाबदेही तय कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत सकोला से जुड़े इन गंभीर सवालों पर जिला पंचायत अनूपपुर और संबंधित पंचायत विभाग के अधिकारी क्या कार्रवाई करते हैं और जांच के दौरान पंचायत के अभिलेख आखिर क्या सच्चाई सामने लाते हैं।

पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता के खिलाफ लघु वेतन कर्मचारियों का प्रदर्शन

55 जिलों में एक साथ सौपा ज्ञापन

मांगें नहीं मानी गईं तो भोपाल में होगा प्रदेशव्यापी आंदोलन

अनूपपुर। मध्यप्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांतीय आह्वान पर सोमवार को प्रदेश के सभी 55 जिलों में पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता के विरोध में कर्मचारियों ने एकजुट होकर प्रदर्शन किया। इसी क्रम में अनूपपुर जिले में भी संघ के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपकर पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग उठाई। संघ के जिला अध्यक्ष संदीप पांडे ने बताया कि पदोन्नति में सीपीसीटी को अनिवार्य किए जाने से बड़ी संख्या में कर्मचारियों के सामने पदोन्नति का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से शासकीय सेवा में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। ऐसे में पदोन्नति को किसी अतिरिक्त परीक्षा अथवा प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता से जोड़ना उचित नहीं है। इसी मांग को लेकर प्रदेश संगठन द्वारा सोमवार को सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया गया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने सामान्य प्रशासन विभाग के संबंधित आदेश की प्रति जलाकर अपना आक्रोश व्यक्त किया।



इसके बाद कर्मचारियों ने कलेक्टर के माध्यम से शासन के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता संबंधी व्यवस्था को समाप्त करने की मांग की। संघ अध्यक्ष संदीप पांडे ने कहा कि कर्मचारी अपनी जायज मांगों को लेकर लंबे समय से शासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पदोन्नति उनके सेवा अधिकारों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। अतिरिक्त परीक्षा या प्रमाण-पत्र की अनिवार्यता के कारण कर्मचारियों की पदोन्नति प्रभावित होना उनके हितों के साथ अन्याय है। संघ ने शासन से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार कर तत्काल राहत देने की मांग की है। अनूपपुर में आयोजित विरोध प्रदर्शन एवं ज्ञापन कार्यक्रम में संघ के जिला अध्यक्ष संदीप पांडे के साथ रविंद्र शर्मा, ढोकल सिंह, धनीराम, राम आर्य, फूलचंद राठौर, केदार प्रसाद, राजेश वर्मा, अमर दिन सोनी, बालेंद्र बर्मन, सुशील

शुक्ला, रवि मिश्रा सहित जिले के बड़ी संख्या में लघु वेतन कर्मचारी शामिल हुए। कर्मचारियों ने एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की और शासन से पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग दोहराई। संघ पदाधिकारियों ने शासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कर्मचारियों की मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया और पदोन्नति में सीपीसीटी की अनिवार्यता समाप्त नहीं की गई, तो प्रदेश के सभी 55 जिलों के कर्मचारी भोपाल में एकत्रित होकर विशाल प्रदेशव्यापी आंदोलन करेंगे। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि सोमवार का विरोध प्रदर्शन आंदोलन का पहला चरण है। यदि शासन स्तर पर मांगों का निराकरण नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। संघ ने सरकार से कर्मचारियों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

आंगनवाड़ी कर्मी, किसान-मजदूर उतरे सड़क पर, अनूपपुर में जेल भरो सत्याग्रह

23 स्त्रीय मांगों को लेकर अमरकंटक तिराहे पर प्रदर्शन, गिरफ्तारी देकर जताया विरोध अनूपपुर। किसानों, खेत मजदूरों, आंगनवाड़ी कर्मियों सहित विभिन्न श्रमिक संगठनों से जुड़े लोगों ने सोमवार को अपनी 23 स्त्रीय मांगों को लेकर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। विभिन्न संगठनों के आह्वान पर आयोजित जेल भरो सत्याग्रह के दौरान बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी अमरकंटक तिराहे पर एकत्र हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लंबे समय से किसानों, मजदूरों और आंगनवाड़ी कर्मियों की समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा है। रोजगार, मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, किसानों की आजीविका पर पड़ता है। इसलिए सरकार को मांगों को गंभीरता से लेते हुए बातचीत के माध्यम से समाधान निकालना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान किसान-मजदूर एकता के नारे लगाए गए और सरकार से 23 स्त्रीय मांगों पर तत्काल निर्णय लेने की मांग की गई। आंदोलनकारियों ने कहा कि किसानों और मजदूरों की समस्याएं केवल किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनका सीधा असर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और आम परिवारों की आजीविका पर पड़ता है। इसलिए सरकार को मांगों को गंभीरता से लेते हुए पर्याप्त अवसर, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा तथा आंगनवाड़ी कर्मियों की समस्याओं के समाधान सहित विभिन्न मांगों प्रमुखता से उठाई गईं। देश के अन्य हिस्सों में भी 10 अगस्त को किसान-मजदूर संगठनों ने समान मुद्दों को लेकर जेल भरो आंदोलन किया।

नाम सुधार सूचना

मैं मधु नापित आयु-29 वर्ष पति राजेश नापित निवासी ग्राम निगमनी, थाना व तहसील कोतमा, जिला अनुपपुर (म.प्र.) की हूं मैं शयशयुर्वक कथन करती हूं कि मैं परोक्ष पते की स्थायी निवासी हूं। मेरी पुत्री वशिका नापित के आधारकाई क्रमांक 5006-9424-4996 मैं मेरी पुत्री का नाम त्रुटिवा परी नापित (PARI NAPIT) अंकित है, जो कि गलत है। मेरी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वशिका नापित (VANSHIKA NAPIT) है, जो कि उसके जन्म प्रमाणपत्र एवं शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है। उक्त दोनों नाम परी नापित (PARI NAPIT) और वशिका नापित (VANSHIKA NAPIT) एक ही लड़की अर्थात मुझ मेरी पुत्री के ही नाम है। मैं अपनी पुत्री के आधारकाई में दर्ज नाम परी नापित (PARI NAPIT) को विलोपित कराकर जन्म प्रमाणपत्र के अनुसार अपनी पुत्री का सही व वास्तविक नाम वशिका नापित (VANSHIKA NAPIT) दर्ज कराना चाहती हूं, जिस बावत यह शयथपत्र प्रस्तुत है।

